mal-nutrition and re-occurrence of the disease.

(iii) Need to withdraw the proposed like in Service charges levied by Mormugao Port Tiust, Goa

*SHRI J S. PATIL (Thane) : Goa's iron ore export industry is facing a severe crisis due to the world-wide demand-recession. In addition to this, the proposed measure of Mormugao Port Trust to increase its service charges by 61 per cent has hit hard the ore export units of Goa. Two mine-owner exporters have already stopped functioning. A couple of more exporters are likely to close down their units due to steep service levy hike by Mormugao Port Trust. The ore industry which earns Rs. 140/- crores every year in foreign exchange will become irretrievably sick in near future rendering many workers jobless.

Mormugao Port Trust has raised service charges to make its mechanical ore handling plant self-sufficient. The operation of the plant is showing losses for the past two years. Iron ore exporters feel that losses can be wiped out by instilling more efficiently in the port's working and maintaining proper coordination in its activities. Mormugao Port Trust is making good its losses by increasing the service charges.

All the exporters associations in Goa have opposed the move of Mormugao Port Trust to increase its service charges and appealed to withdraw its hike. But their appeals have fallen on deaf ears. I, therefore, request the Government to take appropriate steps to withdraw the proposed hike in service charges and save the iron ore export industry of Goa from becoming extinct.

(iv) Need for financial help from central government to Uttar Pradesh for completing the ongoing irrigation projects

श्री उमा कान्त मिश्र (मिर्जापुर) : अध्यक्ष महोदय, सिंचाई कृषि उत्पादन बढ़ाने का मुख्य आधार है। उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल में अनेक सिंचाई योजनायें वर्षों से प्रारम्भ की गई हैं किंतु वित्तीय कठिनाइयों के कारण पूरी नहीं हो पा रही हैं। योजना की लागत क्रमशः बढ़ती जा रही है। इसके अतिरिक्त जिन क्षेत्रों में सिंचाई के कोई साधन नहीं हैं और वहां बंधे बंधियां एवं नलकूप बनाना आवश्यक है, उन क्षेत्रों में भी सिंचाई के नये कार्यक्रम नहीं चल पा रहे हैं। उक्त बड़ी सिंचाई योजनाओं का उनके क्षेत्रों में कृषि उत्पादन बढ़ाने में बहुत बड़ा योगदान होगा। उदाहारण के लिए ज्ञानपुर पम्प नहर, सोन पंप नहर, देवकली पम्प नहर, कनहर बन्धा तथा अन्य मझोली एवं छोटी बंधियां तथा नलकूप इत्यादी मिर्जापुर, बनारस इत्यादि पूर्वी उत्तर के असिंचित क्षेत्रों के लिये अत्यंत आवश्यक और उपयोगी हैं। उत्तर प्रदेश का सिंचाई विभाग धन की कमी के कारण उक्त योजनाओं को पूरा नहीं कर पा रहा है। साथ ही नयी योजनाएं भी नहीं चल पा रही हैं।

मेरा केन्द्रीय सरकार से निवेदन है कि उत्तर प्रदेश की सिंचाई क्षमता को बढ़ाने के लिए तथा असिंचित क्षेत्रों में सिंचाई सुविधा प्रदान करने के लिए उक्त योजनाओं के लिए धन की सहायता प्रदान की जाये।

(v) *Re.* need for payment of funds by Central governments for modernisation of Bijnore Sugar Mills

श्री मंगल राम प्रेमी (बिजनौर) : अध्यक्ष महोदय, बिजनौर चीनी मिल की स्थापना 1983 में हुई थी और 1946 से लगातार यह मिल लीज पर चलाई जाती

*The Original speech was delivered in Marathi.